विषय-सूची

	विषय	पृष्ठ
1.	भाषा और व्याकरण (Language and Grammar)	3
2.	वर्ण और वर्णमाला (Alphabets)	7
3.	शब्द (तत्सम-तद्भव) (Words)	13
❇	अभ्यास प्रश्न पत्र-१	21
4.	संज्ञा (Noun)	24
5.	लिंग (Gender)	28
6.	वचन (Number)	32
7.	कारक (Case)	37
8.	सर्वनाम (Pronoun)	41
9.	कैसा या कितना- विशेषण (Describing Words-Adjective)	47
10.	क्रिया (Verb)	53
11.	काल (Tense)	57
❇	अभ्यास प्रश्न पत्र-२	59
12.	पर्यायवाची (Synonyms)	61
13.	विपरीतार्थक शब्द (Antonyms)	65
14.	वाक्याशों के लिए एक शब्द (One word substitution)	66
15.	अनेकार्थक शब्द (Equivocal)	69
16.	समरूपी भिन्नार्थक शब्द	73
17.	वाक्य विचार (Syntax)	75
18.	विराम चिह्न (Punctuation)	81
19.	अशुद्धि शोधन (Correct spelling of words)	84
20.	मुहावरे (Idioms)	90
❇	अभ्यास प्रश्न पत्र-३	96
21.	पत्र लेखन	99
❇	अपठित गद्यांश	106
❇	कहानी लेखन	113
	❇ शुक शावक	114
	❇ नचिकेता	115
	❇ डेढ़ हज़ार रुपये की आइसक्रीम	116
❇	निबन्ध लेखन	117
	❇ गांधी जयंती	118
	❇ समय का सदुपयोग	119
	❇ वृक्ष हमारे मित्र हैं	120
	❇ गणतन्त्र दिवस (२६ जनवरी)	121
❇	प्रश्न-पत्र	122

4

संज्ञा
(Noun)

देखिए, पढ़िए और समझिएः-

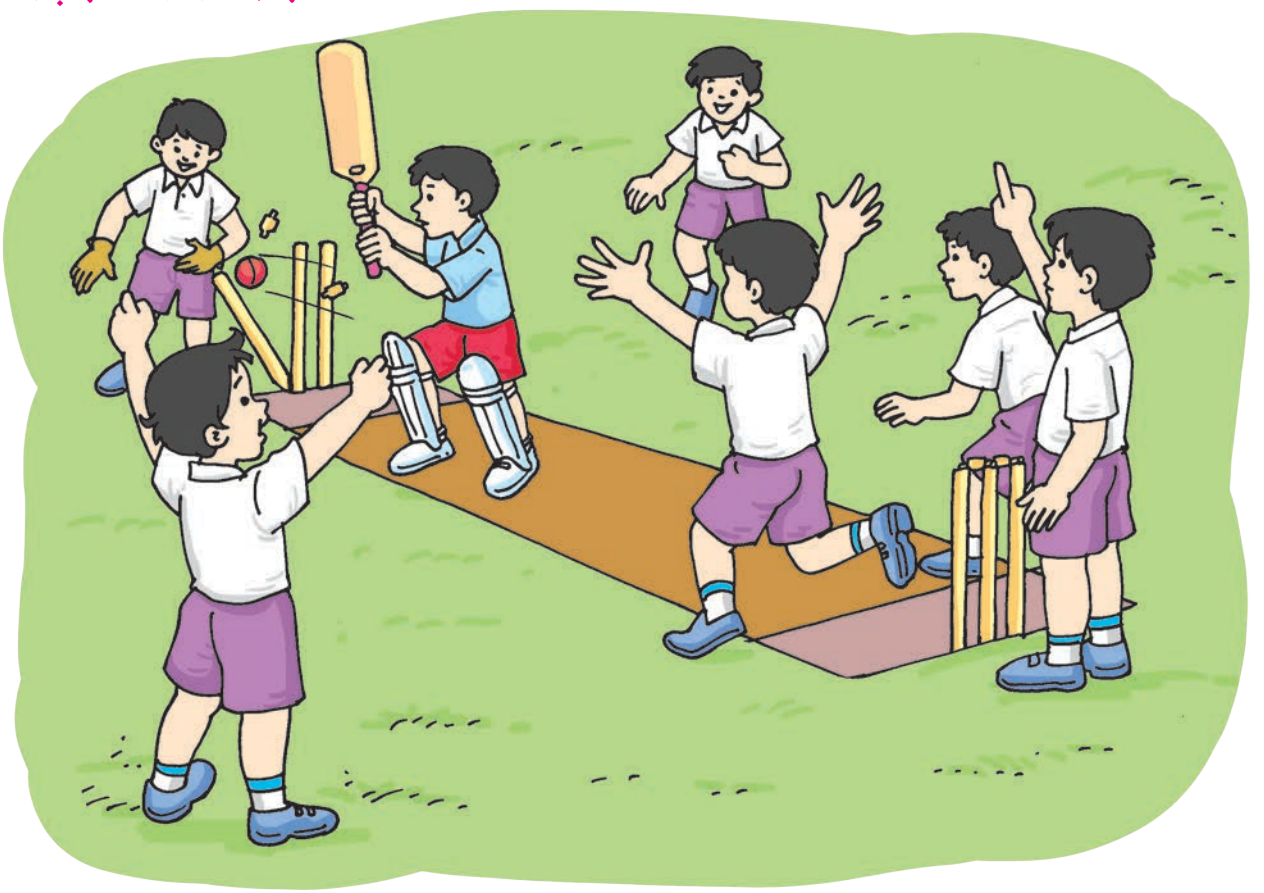

आज हमारे स्कूल और 'नई दिशा स्कूल' के क्रिकेट के खिलाड़ी खेल रहे हैं। मैदान में दोनों टीमों के खिलाड़ी उपस्थित हैं। नीली टी शर्ट वाली टीम हमारी है और हरी टी शर्ट वाली 'नई दिशा स्कूल' की। हमारी टीम का कप्तान सुरेन्द्र है और दूसरी टीम का अब्दुल। एम्पायर ने खेल प्रारम्भ करवाया। खेल जोर-शोर से चल रहा है किन्तु यह क्या? सुरेन्द्र के चेंहरे पर प्रसन्नता दिख रही है जबकि अब्दुल के चेहरे पर निराशा।

अब देखिए, नीले रंग से रेखाँकित शब्द नाम हैं। लाल रंग से रेखांकित शब्द नाम हैं। हरे रंग से रेखांकित शब्द भी नाम हैं। व्याकरण में ये शब्द क्या कहलाते हैं? ये शब्द संज्ञा कहलाते हैं।

किसी व्यक्ति, वस्तु, प्राणी, स्थान और भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं।

जैसे- खिलाड़ी, सुरेन्द्र, क्रिकेट, टीम, प्रसन्नता...आदि।

3. डेढ़ हजार रूपए की आइसक्रीम

सर्दी के दिन पार्टी में दो प्लेट आइक्रीम खा लेने से मुझे जुकाम हो गया। पत्नी बहुत नाराज हो गई, सुबह होते ही वह डाक्टर के पास ले गई। डाक्टर ने खून यूरिन और स्टूल आदि की जाँच करवाने को कहा। जॉच की रिपोर्ट देखकर बहुत सारे कैप्सूल और टेबलेट खाने के लिए लिख दीं। कैमिस्ट ने कहा कि इतनी दवाइयाँ इसलिए लिख दी हैं कि शायद किसी से फायदा हो जाए। पर फायदा न हुआ।

तीसरे दिन डाक्टर ने शुगर की जाँच करवाने को कहा। जाँच करवाई, लेकिन कुछ न निकला। डॉक्टर से एक सप्ताह तक इन्जेक्शन लगवाए किन्तु कुछ लाभ न हुआ। आखिरकार डॉक्टर ने सभी दवाइयाँ बंद कर दी। अब तक डेढ़ हजार रुपऐ खर्च हो चुके थे।

तभी एक पड़ोसन आई। सारी बातें सुनकर एक प्याला चाय बनाकर लाई। चाय पीने के कुछ समय बाद छींके आना बंद हो गई। जुकाम जाता रहा। पता चला कि चाय में तुलसी, अदरक और थोड़ी-सी हल्दी मिलाई गई थी।

-विनोद गोदरे